Peer Reviewed/ Refereed Journal

ISSN -PRINT-2231-3613ONLINE2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
Impact Factor SJIF=4.157

Received on 3rd August 2019, Revised on 8th August 2019; Accepted 16th August 2019

शोध–पत्र

उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी में वर्तनी तथा उच्चारण सुधार हेतु निदानात्मक अध्ययन

* **श्रीमती अंजना शर्मा,** *असिस्टेण्ट प्रोफेसर*
एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

मुख्य शब्द – *विचारों की अभिव्यक्ति, राष्ट्र भाषा, व्याकरण आदि।*

प्रस्तावना

भाषा भावों व विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। सम्प्रेषण को प्रभावी बनाने तथा विचार विनिमय हेतु व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग आवश्यक है इसके अभाव में भावों का अनर्थ श्रोता व पाठक तक ग्रहण किया जाता है। सही भावग्रहण हेतु भाषा का शुद्ध प्रयोग आवश्यक है। हिन्दी भाषा हमारी राष्ट्र भाषा है अतः हमारे लिए यह आवश्यक है कि हिन्दी भाषा के प्रति हमारा ज्ञान पूर्णतयाः शुद्ध व पूर्ण हो। वर्तमान में व्यावहारिक जीवन में हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी भाषा का प्रयोग बहुतायत किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप हिन्दी भाषा के प्रयोग पर इसका नकारात्मक प्रभाव पडता है। व्याकरण वह शस्त्र है, जिसके ज्ञान से भाषा का शुद्ध एवं सर्वमान्य रूप को व्यवहार में अपनाकर भाषा अधिकार प्राप्त किया जा सकता है।

यदि साहित्यिक विरासत को संरक्षित व हस्तान्तरित करने की बात की जाए तो सबसे प्रभावी साधन भाषा ही है। व्याकरण सम्मत भाषा के द्वारा शब्दानुशासन कर भाषा के सौन्दर्य पक्ष व कला पक्ष में वृद्धि की जा सकती है। व्याकरण शिक्षण का प्रथम चरण वर्तनी लेखन व उच्चारण शिक्षण है। यदि प्रारम्भिक व प्राथमिक स्तर पर बालक द्वारा इनकी अशुद्धियां की जाती हैं, तो वह हिन्दी भाषा में पिछड़ जाता है। शुद्ध उच्चारण व वर्तनी शिक्षण हिन्दी शिक्षणरूपी भवन की नींव के समान है। जिस प्रकार भवन की नींव कमजोर होने पर विशाल भवन झंझावतों को सहन नहीं कर पाते हैं व धराशयी हो जाते हैं तथा अपना अस्तित्व खो देते हैं, ठीक उसी प्रकार यदि बालक का भाषा ज्ञान रूपी भवन की नींव (वर्तनी व शुद्धोच्चारण) कमजोर हो जायेगी तो उसका हिन्दी भाषा रूपी भवन अधिकदृढ नहीं रह पायेगा।

समस्या कथन

उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी में वर्तनी तथा उच्चारण सुधार हेतु निदानात्मक अध्ययन

उद्येश्य

1. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को ज्ञात कर उनका तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संधि व शब्द समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों को ज्ञात कर उनका तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की उपसर्ग व प्रत्यय संबंधी वर्तनी अशुद्धियों को ज्ञात कर उनका तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. छात्र और छात्राओं की संधि व शब्द समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन।

5. छात्र और छात्राओं की प्रत्यय सम्बन्धी शुद्ध वर्तनी संबंधी अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. छात्रों और छात्राओं की उपसर्ग संबंधी वर्तनी अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
7. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की उच्चारण संबंधी अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
8. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अनुस्वार व अनुनासिक संबंधी उच्चारण अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
9. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संयुक्ताक्षर संबंधी उच्चारण अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
10. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की मात्रा संबंधी उच्चारण अशुद्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की वर्तनी संबंधी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
2. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संधि व शब्द समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में कोई अन्तर नहीं पाया जाता।
3. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की उपसर्ग व प्रत्यय संबंधी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
4. छात्र व छात्राओं की संधि व शब्द समूह समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
5. छात्र और छात्राओं की प्रत्यय संबंधी व शुद्ध वर्तनी संबंधी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
6. छात्र और छात्राओं की उपसर्ग संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
7. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की उच्चारण संबंधी अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
8. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अनुस्वार व अनुनासिक संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
9. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संयुक्ताक्षर संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।
10. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की मात्रा संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया जाता।

उपकरण – स्वनिर्मित निदानात्मक परीक्षण

शोध विधि–समस्या के अध्ययन हेतु वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

जयपुर जिले के 2 सरकारी और 2 गैर सरकारी विद्यालय के कक्षा 8 के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें से 25 छात्र और छात्राए सरकारी विद्यालय व 25 छात्र व छात्राएं गैर सरकारी विद्यालय से लिये गए।

सांख्यिकी–प्रतिशत

गणना प्रति 100 पर करके परिणाम निकाला गया।

निष्कर्ष

1. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संधि तथा समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में अंतर पाया गया है।
2. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रत्यय तथा शुद्ध वर्तनी संबंधी अशुद्धियों में अंतर पाया गया है।
3. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों भिन्न उपसर्ग संबंधी और वर्तनी के विभिन्न क्षेत्र संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द समूह, शुद्ध वर्तनी संबंधी अशुद्धियों में अंतर पाया गया है।
4. छात्रों व छात्राओं की प्रत्यय संधि तथा शब्द समूह संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में अंतर पाया गया है।
5. छात्रों व छात्राओं की प्रत्यय संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में अंतर पाया गया है।
6. छात्र व छात्राओं की उपसर्ग संबंधी वर्तनी अशुद्धियों में अंतर पाया गया।

7. सरकारी व गैर सरकारी विद्यार्थियों की उच्चारण संबंधी अशुद्धियों में अंतर पाया गया।
8. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अनुस्वार व अनुनासिक संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया गया।
9. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की संयुक्ताक्षर और मात्रा संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया गया।
10. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की मात्रा संबंधी उच्चारण अशुद्धियों में कोई अंतर नहीं पाया गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1 भाई जीत, योगेन्द्र विनोद पुस्तक मंदिर आगरा–2 हिन्दी भाषा शिक्षण

2 डॉ. चतुर्वेदी, शिखा आर.एल. बुक डिपो मेरठ, हिन्दी शिक्षण भाषा और साहित्य शिक्षण

3 अरविन्द,सच्चिदानंद राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर, शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र, ढौंडियाल एवं फाटक

4 शर्मा, आर.ए. आर.एल.बुक डिपो, मेरठ, शिक्षा अनुसंधान

5 डॉ. रायजादा बी.एस. राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व

*** Corresponding Author:**
श्रीमती अंजना शर्मा, *असिस्टेण्ट प्रोफेसर*
एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण
महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर